

Palanquin देवनागरी

designed by Pria Ravichandran

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ
ए ऐ ओ ओ ओ क ख ग घ
ड च छ ज झ झ ट ठ ड ढ ण त
थ द घ न न प फ ब भ म य र र
ल ळ ळ व श ष स ह
॥ १०८ ॥
ॐ क ख ग झ झ फ य ऋ लृ
०१२३४५६७८९० ॐ अ
आ औ अु अु फ झ ष ग झ ?
ड ब

G20 Summit को छोड़कर जा सकते हैं पुतिन, मोदी ने उठाया काले धन का मुद्दा

dainikbhaskar.com | Nov 16, 2014, 18:39PM IST

ब्रिसबेन. दुनिया की अर्थव्यवस्था के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा जमाने वाले दुनिया के 20 देशों के संगठन जी-20 समिट के औपचारिक उद्घाटन से पहले यह सम्मेलन विवादों में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति ल्यादिमिर पुतिन रविवार को होने वाले सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे और अपने देश रवाना हो जाएंगे। इसकी वजह यूक्रेन में रूस की दखल को बताया जा रहा है। यूरोप के देशों और अमेरिका ने पुतिन पर यूक्रेन को लेकर दबाव बनाया है। पुतिन से कहा गया है कि आगर उनके देश ने यूक्रेन से सेनाएं नहीं हटाई तो रूस पर और प्रतिबंध लग सकता है। ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों ने रूस पर दबाव बनाया है। लेकिन रूस ने यूक्रेन में दखल देने के आरोपों को नकारा है। रूस का कहना है कि उसके पास ब्रिक्स देशों का समर्थन है।

जी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी ऐबॉट ने बताया कि दुनिया के शीर्ष नेता विश्व अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने और कई लाख नौकरियां का इंतजाम करेंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार (फ्री ट्रेड) और बुनियादी ढांचे में ज्यादा निवेश की भी बात की। ओबामा ने उद्घाटन सत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

जी-20 देशों के नेताओं ने ईबोला को नियंत्रित करने के लिए संसाधन जुटाने जोर दिया। जी-20 देशों में शामिल ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेता भी अनौपचारिक रूप से मिले। इस बैठक की मेजबानी ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ ने की। इसमें रूसी राष्ट्रपति ल्यादिमिर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति जी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने ब्रिक्स बैंक के ऑपरेशन को शुरू करने की जोरदार वकालत की।

मोदी ने जी-20 समिट से पहले काले धन के मुद्दे को जोरशोर से उठाया और इसे विश्व की सुरक्षा से जोड़ा। इस मुद्दे पर मोदी ने और क्या कहा, आगे की स्लाइड में पढ़िए:

Feminism is a collection of movements and ideologies aimed at defining, establishing, and defending equal political, economic, cultural, and social rights for women. This includes seeking to establish equal opportunities for women in education and employment. A feminist advocates or supports the rights and equality of women. Feminist activists campaign for women's rights – such as in contract law, property, and voting – while also promoting bodily integrity, autonomy,

नारीवाद राजनैतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हलाकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों के अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं। नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का जोर प्रजनन संबंधी अधिकार, घरेलू हिंसा, मातृत्व अवकाश, समान

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ
ए ऐ ओ ओ ओ क ख ग घ
ड च छ ज झ झ ट ठ ड ढ ण त
थ द ध न न प फ ब भ म य र र
ल ळ ळ व श ष स ह
॥ १०८ ॥
ॐ क ख ग झ झ ड ढ फ य ऋ लृ
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ० ॐ अ
आ औ अु अु फ झ ष ग झ ?
ड ब

G20 Summit को छोड़कर जा सकते हैं पुतिन, मोदी ने उठाया काले धन का मुद्दा

dainikbhaskar.com | Nov 16, 2014, 18:39PM IST

ब्रिसबेन. दुनिया की अर्थव्यवस्था के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा जमाने वाले दुनिया के 20 देशों के संगठन जी-20 समिट के औपचारिक उद्घाटन से पहले यह सम्मेलन विवादों में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन रविवार को होने वाले सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे और अपने देश रवाना हो जाएंगे। इसकी वजह यूक्रेन में रूस की दखल को बताया जा रहा है। यूरोप के देशों और अमेरिका ने पुतिन पर यूक्रेन को लेकर दबाव बनाया है। पुतिन से कहा गया है कि अगर उनके देश ने यूक्रेन से सेनाएं नहीं हटाई तो रूस पर और प्रतिबंध लग सकता है। ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों ने रूस पर दबाव बनाया है। लेकिन रूस ने यूक्रेन में दखल देने के आरोपों को नकारा है। रूस का कहना है कि उसके पास ब्रिक्स देशों का समर्थन है।

जी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी ऐबॉट ने बताया कि दुनिया के शीर्ष नेता विश्व अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने और कई लाख नौकरियां का इंतजाम करेंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार (फ्री ट्रेड) और बुनियादी ढांचे में ज्यादा निवेश की भी बात की। ओबामा ने उद्घाटन सत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

जी-20 देशों के नेताओं ने ईबोला को नियंत्रित करने के लिए संसाधन जुटाने जोर दिया। जी-20 देशों में शामिल ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेता भी अनौपचारिक रूप से मिले। इस बैठक की मेजबानी ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ ने की। इसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति जी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने ब्रिक्स बैंक के ऑपरेशन को शुरू करने की जोरदार वकालत की।

मोदी ने जी-20 समिट से पहले काले धन के मुद्दे को जोरशोर से उठाया और इसे विश्व की सुरक्षा से जोड़ा। इस मुद्दे पर मोदी ने और क्या कहा, आगे की स्लाइड में पढ़िए:

Feminism is a collection of movements and ideologies aimed at defining, establishing, and defending equal political, economic, cultural, and social rights for women. This includes seeking to establish equal opportunities for women in education and employment. A feminist advocates or supports the rights and equality of women. Feminist activists campaign for women's rights – such as in contract law, property, and voting – while also promoting bodily integrity, autonomy,

नारीवाद राजनैतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हलाकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों के अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं। नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का जोर प्रजनन संबंधी अधिकार, घरेलू हिंसा, मातृत्व अवकाश,

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ^१
ए ऐ ओ ओ ओ क ख ग
घ ङ च छ ज झ झ ट ठ ङ ठ ण
त थ द ध न न्न प फ ब भ म य
र र ल ळ ळ व श ष स ह
॥ १९८४ ॥
ॐ क ख ग ज झ ङ ठ फ य ऋ लृ
०१२३४५६७८९० ॐ अ^२
आ औ अु अु फ झ ष ग ज ?
इ ब

G20 Summit को छोड़कर जा सकते हैं पुतिन, मोदी ने उठाया काले धन का मुद्दा

dainikbhaskar.com | Nov 16, 2014, 18:39PM IST

ब्रिसबेन, दुनिया की अर्थव्यवस्था के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा जमाने वाले दुनिया के 20 देशों के संगठन जी-20 समिट के औपचारिक उद्घाटन से पहले यह सम्मेलन विवादों में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन रविवार को होने वाले सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे और अपने देश रवाना हो जाएंगे। इसकी वजह यूक्रेन में रूस की दखल को बताया जा रहा है। यूरोप के देशों और अमेरिका ने पुतिन पर यूक्रेन को लेकर दबाव बनाया है। पुतिन से कहा गया है कि अगर उनके देश ने यूक्रेन से सेनाएं नहीं हटाई तो रूस पर और प्रतिबंध लग सकता है। ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों ने रूस पर दबाव बनाया है। लेकिन रूस ने यूक्रेन में दखल देने के आरोपों को नकारा है। रूस का कहना है कि उसके पास ब्रिक्स देशों का समर्थन है।

जी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी ऐबॉट ने बताया कि दुनिया के शीर्ष नेता विश्व अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने और कई लाख नौकरियां का इंतजाम करेंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार (फ्री ट्रेड) और बुनियादी ढांचे में ज्यादा निवेश की भी बात की। ओबामा ने उद्घाटन सत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

जी-20 देशों के नेताओं ने ईबोला को नियंत्रित करने के लिए संसाधन जुटाने जोर दिया। जी-20 देशों में शामिल ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेता भी अनौपचारिक रूप से मिले। इस बैठक की मेजबानी ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ ने की। इसमें रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति जी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने ब्रिक्स बैंक के ऑपरेशन को शुरू करने की जोरदार वकालत की।

मोदी ने जी-20 समिट से पहले काले धन के मुद्दे को जोरशोर से उठाया और इसे विश्व की सुरक्षा से जोड़ा। इस मुद्दे पर मोदी ने और क्या कहा, आगे की स्लाइड में पढ़िए:

Feminism is a collection of movements and ideologies aimed at defining, establishing, and defending equal political, economic, cultural, and social rights for women. This includes seeking to establish equal opportunities for women in education and employment. A feminist advocates or supports the rights and equality of women. Feminist activists campaign for women's rights – such as in contract law, property, and voting – while also promoting

नारीवाद राजनैतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हलाकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान् का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों के अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं। नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का जोर प्रजनन संबंधी अधिकार,

ਅੰ ਅ ਆ ਇ ਈ ਤ ਊ ਕ ਲ੍ਹ ਏ
ਏ ਏ ਏ ਆਂ ਓ ਓ ਓ ਕ ਖ
ਗ ਘ ਙ ਚ ਛ ਜ ਝ ਜ ਟ ਠ ਡ ਢ
ਣ ਤ ਥ ਦ ਧ ਨ ਨ ਪ ਫ ਬ ਭ ਮ
ਧ ਰ ਰ ਲ ਕ ਲ਼ ਵ ਸ਼ ਷ ਸ ਹ
ਤ ਾ ਫ ਿ ੧੯੯੬ ਗੀ ਗੀ ਗੀ
ਅੰ ਕ ਖ ਗ ਜ ਝ ਡ ਢ ਫ ਧ ਕ ਲ੍ਹ
੦੧੨੩੪੫੬੭੮੯੦ ਅੰ ਅ
ਆ ਔ ਅੁ ਅੁ ਮ ਝ ਷ ਗ ਜ ?
ਡ ਕ

G20 Summit को छोड़कर जा सकते हैं पुतिन, मोदी ने उठाया काले धन का मुद्दा

dainikbhaskar.com | Nov 16, 2014, 18:39PM IST

ब्रिसबेन, दुनिया की अर्थव्यवस्था के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा जमाने वाले दुनिया के 20 देशों के संगठन जी-20 समिट के औपचारिक उद्घाटन से पहले यह सम्मेलन विवादों में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन रविवार को होने वाले सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे और अपने देश रवाना हो जाएंगे। इसकी वजह यूक्रेन में रूस की दखल को बताया जा रहा है। यूरोप के देशों और अमेरिका ने पुतिन पर यूक्रेन को लेकर दबाव बनाया है। पुतिन से कहा गया है कि अगर उनके देश ने यूक्रेन से सेनाएं नहीं हटाईं तो रूस पर और प्रतिबंध लग सकता है। ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों ने रूस पर दबाव बनाया है। लेकिन रूस ने यूक्रेन में दखल देने के आरोपों को नकारा है। रूस का कहना है कि उसके पास ब्रिक्स देशों का समर्थन है।

जी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी ऐबॉट ने बताया कि दुनिया के शीर्ष नेता विश्व अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने और कई लाख नौकरियां का इंतजाम करेंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार (फ्री ट्रेड) और बुनियादी ढांचे में ज्यादा निवेश की भी बात की। ओबामा ने उद्घाटन सत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

जी-20 देशों के नेताओं ने ईबोला को नियंत्रित करने के लिए संसाधन जुटाने जोर दिया। जी-20 देशों में शामिल ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेता भी अनौपचारिक रूप से मिले। इस बैठक की मेजबानी ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ ने की। इसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति जी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने ब्रिक्स बैंक के ऑपरेशन को शुरू करने की जोरदार वकालत की।

मोदी ने जी-20 समिट से पहले काले धन के मुद्दे को जोरशोर से उठाया और इसे विश्व की सुरक्षा से जोड़ा। इस मुद्दे पर मोदी ने और क्या कहा, आगे की स्लाइड में पढ़िए:

Feminism is a collection of movements and ideologies aimed at defining, establishing, and defending equal political, economic, cultural, and social rights for women. This includes seeking to establish equal opportunities for women in education and employment. A feminist advocates or supports the rights and equality of women. Feminist activists campaign for women's rights – such as in contract law, property, and voting – while also promoting

नारीवाद राजनैतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हलाकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों के अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं। नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का जोर प्रजनन

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए
ऐ ए ए ओ ओ ओ ओ क ख
ग घ ङ च छ ज झ झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न न प फ ब भ म
य र र ल ळ ळ व श ष स ह
॥ १९८४ ॥
ॐ क ख ग ज झ फ य ऋ लृ
०१२३४५६७८९० ॐ अ
आ औ अु अु फ झ ष ग ज ?
ड ब

G20 Summit को छोड़कर जा सकते हैं पुतिन, मोदी ने उठाया काले धन का मुद्दा

dainikbhaskar.com | Nov 16, 2014, 18:39PM IST

ब्रिसबेन, दुनिया की अर्थव्यवस्था के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा जमाने वाले दुनिया के 20 देशों के संगठन जी-20 समिट के औपचारिक उद्घाटन से पहले यह सम्मेलन विवादों में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन रविवार को होने वाले सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे और अपने देश रवाना हो जाएंगे। इसकी वजह यूक्रेन में रूस की दखल को बताया जा रहा है। यूरोप के देशों और अमेरिका ने पुतिन पर यूक्रेन को लेकर दबाव बनाया है। पुतिन से कहा गया है कि अगर उनके देश ने यूक्रेन से सेनाएं नहीं हटाई तो रूस पर और प्रतिबंध लग सकता है। ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों ने रूस पर दबाव बनाया है। लेकिन रूस ने यूक्रेन में दखल देने के आरोपों को नकारा है। रूस का कहना है कि उसके पास ब्रिक्स देशों का समर्थन है।

जी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी ऐबॉट ने बताया कि दुनिया के शीर्ष नेता विश्व अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने और कई लाख नौकरियां का इंतजाम करेंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार (फ्री ट्रेड) और बुनियादी ढांचे में ज्यादा निवेश की भी बात की। ओबामा ने उद्घाटन सत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

जी-20 देशों के नेताओं ने ईबोला को नियंत्रित करने के लिए संसाधन जुटाने जोर दिया। जी-20 देशों में शामिल ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेता भी अनौपचारिक रूप से मिले। इस बैठक की मेजबानी ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ ने की। इसमें रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति जी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने ब्रिक्स बैंक के ऑपरेशन को शुरू करने की जोरदार वकालत की।

मोदी ने जी-20 समिट से पहले काले धन के मुद्दे को जोरशोर से उठाया और इसे विश्व की सुरक्षा से जोड़ा। इस मुद्दे पर मोदी ने और क्या कहा, आगे की स्लाइड में पढ़िए:

Feminism is a collection of movements and ideologies aimed at defining, establishing, and defending equal political, economic, cultural, and social rights for women. This includes seeking to establish equal opportunities for women in education and employment. A feminist advocates or supports the rights and equality of women. Feminist activists campaign for women's rights – such as in contract law, property, and voting – while also promoting

नारीवाद राजनैतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हलाकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों के अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं। नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का जोर प्रजनन

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए
ऐ ए ऐ ओ ओ ओ क ख
ग घ ङ च छ ज झ झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न न प फ ब भ
म य र र ल ळ ळ व श ष स ह
॥ ੧੦੮ ॥

ॐ क ख ग ज झ फ य ऋ लृ
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ० ॐ अ
आ औ अु अु म ज ष ग ज ?
ड ब

G20 Summit को छोड़कर जा सकते हैं पुतिन, मोदी ने उठाया काले धन का मुद्दा

dainikbhaskar.com | Nov 16, 2014, 18:39PM IST

ब्रिसबेन, दुनिया की अर्थव्यवस्था के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा जमाने वाले दुनिया के 20 देशों के संगठन जी-20 समिट के औपचारिक उद्घाटन से पहले यह सम्मेलन विवादों में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन रविवार को होने वाले सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे और अपने देश रवाना हो जाएंगे। इसकी वजह यूक्रेन में रूस की दखल को बताया जा रहा है। यूरोप के देशों और अमेरिका ने पुतिन पर यूक्रेन को लेकर दबाव बनाया है। पुतिन से कहा गया है कि अगर उनके देश ने यूक्रेन से सेनाएं नहीं हटाई तो रूस पर और प्रतिबंध लग सकता है। ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों ने रूस पर दबाव बनाया है। लेकिन रूस ने यूक्रेन में दखल देने के आरोपों को नकारा है। रूस का कहना है कि उसके पास ब्रिक्स देशों का समर्थन है।

जी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी ऐबॉट ने बताया कि दुनिया के शीर्ष नेता विश्व अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने और कई लाख नौकरियां का इंतजाम करेंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार (फ्री ट्रेड) और बुनियादी ढांचे में ज्यादा निवेश की भी बात की। ओबामा ने उद्घाटन सत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

जी-20 देशों के नेताओं ने ईबोला को नियंत्रित करने के लिए संसाधन जुटाने जोर दिया। जी-20 देशों में शामिल ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेता भी अनौपचारिक रूप से मिले। इस बैठक की मेजबानी ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रुसेफ ने की। इसमें रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति जी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने ब्रिक्स बैंक के ऑपरेशन को शुरू करने की जोरदार वकालत की।

मोदी ने जी-20 समिट से पहले काले धन के मुद्दे को जोरशोर से उठाया और इसे विश्व की सुरक्षा से जोड़ा। इस मुद्दे पर मोदी ने और क्या कहा, आगे की स्लाइड में पढ़िए:

Feminism is a collection of movements and ideologies aimed at defining, establishing, and defending equal political, economic, cultural, and social rights for women. This includes seeking to establish equal opportunities for women in education and employment. A feminist advocates or supports the rights and equality of women. Feminist activists campaign for women's rights – such as in contract law, property, and voting – while

नारीवाद राजनैतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हलाकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों के अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं। नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का जोर प्रजनन

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए
ऐ ए ऐ ओ औ ओ औ क ख
ग घ ड च छ ज झ झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न न प फ ब भ
म य र र ल ळ ळ व श ष स ह
॥ ੭੯੮ ॥

ॐ क ख ग ज झ फ य ऋ लृ
० १ २ ३ ४ ६ ७ ८ ९ ० ॐ अ
आ औ अु अु झ ष ग ज ?
ड ब

G20 Summit को छोड़कर जा सकते हैं पुतिन, मोदी ने उठाया काले धन का मुद्दा

dainikbhaskar.com | Nov 16, 2014, 18:39PM IST

ब्रिसबेन. दुनिया की अर्थव्यवस्था के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा जमाने वाले दुनिया के 20 देशों के संगठन जी-20 समिट के औपचारिक उद्घाटन से पहले यह सम्मेलन विवादों में आ गया है। सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन रविवार को होने वाले सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे और अपने देश रवाना हो जाएंगे। इसकी वजह यूक्रेन में रूस की दखल को बताया जा रहा है। यूरोप के देशों और अमेरिका ने पुतिन पर यूक्रेन को लेकर दबाव बनाया है। पुतिन से कहा गया है कि अगर उनके देश ने यूक्रेन से सेनाएं नहीं हटाई तो रूस पर और प्रतिबंध लग सकता है। ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों ने रूस पर दबाव बनाया है। लेकिन रूस ने यूक्रेन में दखल देने के आरोपों को नकारा है। रूस का कहना है कि उसके पास ब्रिक्स देशों का समर्थन है।

जी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी ऐबॉट ने बताया कि दुनिया के शीर्ष नेता विश्व अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने और कई लाख नौकरियां का इंतजाम करेंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार (फ्री ट्रेड) और बुनियादी ढांचे में ज्यादा निवेश की भी बात की। ओबामा ने उद्घाटन सत्र में पर्यावरण में हो रहे बदलाव पर चिंता जाहिर करते हुए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

जी-20 देशों के नेताओं ने ईबोला को नियंत्रित करने के लिए संसाधन जुटाने जोर दिया। जी-20 देशों में शामिल ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के नेता भी अनौपचारिक रूप से मिले। इस बैठक की मेजबानी ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ ने की। इसमें रूसी राष्ट्रपति क्लादिमिर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति जी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। बैठक में मोदी ने ब्रिक्स बैंक के ऑपरेशन को शुरू करने की जोरदार वकालत की।

मोदी ने जी-20 समिट से पहले काले धन के मुद्दे को जोरशोर से उठाया और इसे विश्व की सुरक्षा से जोड़ा। इस मुद्दे पर मोदी ने और क्या कहा, आगे की स्लाइड में पढ़िए:

Feminism is a collection of movements and ideologies aimed at defining, establishing, and defending equal political, economic, cultural, and social rights for women.

This includes seeking to establish equal opportunities for women in education and employment. A feminist advocates or supports the rights and equality of women. Feminist activists campaign for women's rights – such as in contract law, property,

नारीवाद राजनैतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हलाकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों के अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं। नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का

PalanquinDark

देवनागरी

designed by Pria Ravichandran

ॐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए
ऐ ए ऐ ओ औ ओ क ख
ग घ ङ च छ ज झ झ ट ठ ड ठ
ण त थ द ध न न प फ ब भ
म य र र ल ळ व श ष स ह
॥ १९८४ ॥
ॐ क ख ग ज झ ठ फ य ऋ लृ
०१२३४६६७८९० अॅ अौ
आौ अुॅ अुू अूॄ अूॄ ?
ड ब

चाणक्य statecraft

विनयाधिकरण	अध्यक्षप्रचार
धर्मस्थीयाधिकरण	कंटकशोधन
वृत्ताधिकरण	योन्याधिकरण
षाड्गुण्य	व्यसनाधिकरण
अभियास्यत्कर्माधिकरणा	
संग्रामाधिकरण	संघवृत्ताधिकरण
आबलीयसाधिकरण	
दुर्गलभोपायाधिकरण	
औपनिषदिकाधिकरण और	
तंत्रयुक्त्याधिकरण	

ऐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए
ऐ ए ऐ ओ औ ओ क ख
ग घ ङ च छ ज झ झ ट ठ ड ठ
ण त थ द ध न न प फ ब भ म
य र र ल ळ ळ व श ष स ह
ਿ ਿ ਿ ਿ ਿ ਿ ਿ ਿ
ਐ ਕ ਖ ਗ ਜ ਝ ਠ ਫ ਯ ਋ ਲ
੦ ੧ ੨ ੩ ੪ ੫ ੬ ੭ ੮ ੯ ੦ ਐ ਅ
ਆ ਔ ਅੁ ਅੁ ਦ ਜ ਷ ਗ ਜ ?
ਡ ਬ

चाणक्य statecraft

विनयाधिकरण	अध्यक्षप्रचार
धर्मस्थीयाधिकरण	कंटकशोधन
वृत्ताधिकरण	योन्याधिकरण
षाङ्गुण्य	व्यसनाधिकरण
अभियास्यत्कर्माधिकरणा	
संग्रामाधिकरण	संघवृत्ताधिकरण
आबलीयसाधिकरण	
दुर्गलम्भोपायाधिकरण	
औपनिषदिकाधिकरण और	
तंत्रयुक्त्याधिकरण	

ऐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए
ऐ ए ऐ ओ औ ओ क
ख ग घ ड च छ ज झ झ ट ठ
ड ट ण त थ द ध न न प फ
ब भ म य र र ल ळ व रा ष
स ह

ਾ ਿ ਿ ਿ ਿ ਿ ਿ
ਅੰ ਕ ਖ ਗ ਜ ਝ ਡ ਫ ਯ ਋ ਲ
੦ ੧ ੨ ੩ ੪ ੬ ੭ ੮ ੯ ੦ ਅੰ ਅ
ਆ ਔ ਅੁ ਅੁ ਝ ਯ ਗ ਜ ?

ਡ ਬ

चाणक्य statecraft

विन्याधिकरण	अध्यक्षप्रचार
धर्मस्थीयाधिकरण	कंटकशोधन
वृत्ताधिकरण	योन्याधिकरण
षाङ्गुण्य	व्यसनाधिकरण
अभियास्यत्कर्माधिकरणा	
संग्रामाधिकरण	संघवृत्ताधिकरण
आबलीयसाधिकरण	
दुर्गलम्भोपायाधिकरण	
औपनिषदिकाधिकरण और	
तंत्रयुक्त्याधिकरण	

ਅੈ ਅ ਆ ਇ ਈ ਤ ਊ ਕਲ੍ਹ ਏ
ਏ ਏ ਏ ਆਂ ਓ ਓ ਓ ਕ
ਖ ਗ ਘ ਙ ਚ ਛ ਜ ਝ ਨ ਟ ਠ
ਡ ਟ ਣ ਤ ਥ ਦ ਧ ਨ ਨ ਪ ਫ
ਕ ਭ ਮ ਧ ਰ ਰ ਲ ਲ਼ ਲ਼ ਵ ਰ ਧ
ਸ ਹ

ਤ ਟ ਫ ਰੀ ੭੯੯ ੬ ਗੋਗੈ ਗੈ
ਐ ਕ ਖ ਗ ਜ ਝ ਦ ਫ ਧ ਨ
ਲ ੦ ੧ ੨ ੩ ੪ ੬ ੭ ੮ ੯ ੦ ਅੱ
ਐ ਆ ਔ ਅੁ ਅੁ ਨ ਜ ਧ ਗ
ਜ ? ਡ ਕ

चाणक्य statecraft

विनयाधिकरण	अध्यक्षप्रचार
धर्मस्थीयाधिकरण	कंटकशोधन
वृत्ताधिकरण	योन्याधिकरण
षाङ्गुण्य	व्यसनाधिकरण
अभियास्यत्कर्माधिकरणा	
संग्रामाधिकरण	संघवृत्ताधिकरण
आबलीयसाधिकरण	
दुर्गलम्भोपायाधिकरण	
औपनिषदिकाधिकरण और	
तंत्रयुक्त्याधिकरण	